LUCKNOW, FRIDAY MARCH 1, 2019; PAGES 16 ₹3

the pioneer

Conference on spirituality held

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

The two-day international conference, 7th in a row, on 'Spirituality Beyond Repertoire : A Leadership Key to Societal Happiness and Sustained Harmony' concluded at the Khushipur campus of School of Management Sciences (SMS) here on Wednesday. Prof SN Upadhyay (noted scientist and former director of IIT-BHU) was the chief guest in the valedictory session of the conference.

Addressing the conference, Prof Upadhyay outlined various aspects of spirituality. He described 'Karma' as spirituality. He said that ancient city of Kashi is unique in spirituality where devotees with full respect and faith, have friendly behaviour with Gods & Goddess. Spirituality reflects here in practice. He also focussed on various aspects of successful management. Speaking as special guest in this function, Dr Ajay Kumar Singh (Professor, Delhi University) focused on various aspects of management, its need and significance of spirituality in interest of society.

Prof PN Jha, Director, SMS, expressed his views on spirituality and its importance and said that the 'Index of Happiness' is on decline due to scene of hatred, ego, self-interest and communalism in the society. Therefore, full spirituality is not reflected in the society. He said that it is a need of hour for people to follow path of full spirituality with a feeling of 'Sarva Dharm Hitaya'.

Earlier, Director Prof PN Jha and registrar Sanjay Gupta felicitated the chief guest Prof SN Upadhyay along with guest of honour Dr Ajay Kumar Singh and keynote speaker Prof Rajiv Prasad and other guests with shawl and ICON mementos. Around 283 research papers were presented by the institute from India, USA, Indonesia, Malaysia, Nepal and Denmark.

The function was conducted by Dr Sofia Khan, while vote of thanks was extended by convener Dr Pallavi Pathak. On this occasion, registrar Sanjay Gupta and executive secretary Dr. MP Singh along with other faculty members were also present.

दैनिक जागरण

वाराणसी, 1 मार्च 2019

संगोष्ठी का निष्कर्ष, कर्म ही आध्यात्मिकता

जासं, वाराणसी : प्राचीनतम व सांस्कृतिक नगरी काशी का अर्थ निराला है। काशीवासी अपना कर्म बखूबी समझते हैं। दरअसल कर्म ही आध्यात्मिकता है। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) में आयोजित 'स्पिरियुऐलिटी बियॉन्ड रेपुटॉयर : ए लीडरशिप की टू सोसाइटल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी का यह निष्कर्ष रहा। गुरुवार को मुख्य अतिथि आइआइटी, बीएचयू के पूर्व निदेशक प्रो. एसएल उपाध्याय ने कहा कि काशी में आध्यात्मिकता का व्यवहारिकता का प्रयोग होता है। निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि समाज में पूर्ण आध्यात्मिकता का भाव वर्तमान में नजर नहीं आता है।

दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 1 March 2019

एसएमएस में हैप्पीनेस पर किया गया मंथन

इंटरनेशनल सेमिनार में एक्सपर्ट ने सफल प्रबंधन की विधाओं व उनके उपयोग पर डाला प्रकाश

VARANASI (28 Feb): स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस वाराणसी की ओर से आयोजित स्पिरियुएलिटी वियांड रेपुटायर-ए लीडरशिप की टू सोसाइटल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी विषयक दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का गुरुवार को समापन हुआ. सेमिनार में चीफ गेस्ट आईआईटी बीएचयू के एक्स डायरेक्टर प्रो. एसएन उपाध्याय ने कहा कि कर्म ही आध्यात्मिकता है. उन्होंने सफल प्रबंधन की विभिन्न विधाओं व उनके उपयोग पर प्रकाश डाला. विशिष्ट अतिथि दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. अजय कुमार सिंह ने मैनेजमेंट की विधाओं व समाज के हित में आध्यात्मिकता की महत्ता एवं आवश्यकता पर चर्चा की. एसएमएस के डायरेक्टर प्रो. पीएन झा ने कहा कि आज घृणा, अहंकार व साम्प्रदायिकता के कारण इंडेक्स ऑफ हैपिनेस में गिरावट आयी है. डायरेक्टर व रजिस्ट्रार संजय गुप्ता ने चीफ गेस्ट प्रो. एसएन उपाध्याय, डॉ. अजय सिंह, राजीव कुमार व अन्य विद्वानों को सम्मानित किया. सेमिनार में भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, डेनमार्क, नेपाल व अमेरिका से 283 रिसर्च पेपर प्राप्त किए गए हैं. संचालन सोफिया खान तथा आभार डॉ. पल्लवी पाठक ने प्रकट किया. सेमिनार के इनॉगरल सेशन के चीफ गेस्ट फेमस फिल्म निर्माता व निदेशक महेश भट्ट रहे.

हिन्दुस्तान
सोमवार, 25 फरवरी 2019, वाराणसी

युवाओं को गढ़ने दें तराने : महेश भट्ट

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

प्रसिद्ध फिल्म निदेशक महेश भट्ट ने अभिभावक, समाज, सरकार और देश से अपील की है कि युवाओं को अपने तराने गढ़ने की आजादी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता का अध्याय वे गढ़ते हैं जो अंधेरे की गलियों में घुसने की हिम्मत रखते हैं। महेश भट्ट रविवार को 'स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) में स्प्रिचुएलिटी बियांड रेपुटायरः लीडरशिप की टू सोसाइटल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

रविवार को एसएमएस में स्मारिका का विमोचन करते फिल्म निदेशक महेश भट्ट (दायें से तीसरे) और अन्य विशिष्ट अतिथि। • हिन्दुस्तान

अध्यक्षीय भाषण में बीएचयू के कुलाधिपति न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने रामचरित मानस का उल्लेख करते हुए कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम राम ने स्वहित को दरकिनार कर समाज हित में कार्य किया। यही भावना प्रासंगिक है। पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य, प्रो. बीपी सिंह, शुद्धानंद ब्रह्मचारी, संयुक्ता गुलाटी, अंजलि भिलांडे, स्वामी वरिष्ठानंद, प्रो. वीएस सोमनाथ, प्रो. एके सिंह, डॉ. अरी कामायन्ती आदि ने भी विचार व्यक्त किए। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया।

दैनिक जागरण

वाराणसी, 25 फरवरी 2019

युवाओं के चरित्र निर्माण पर भी हो ध्यान

जासं, वाराणसी : सफलता की रोशनी का अध्याय वो गढ़ते हैं, जो अंधेरे की गलियों में घुसने की हिम्मत रखते हैं। यह बातें स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज वाराणसी की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि फिल्मकार महेश भट्ट ने कही।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान पत्थरों में से हीरे तराशते हैं। इसलिए माता-पिता व समाज युवाओं को अपने तराने गढ़ने की आजादी दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि आध्यात्मिकता ही मानव जीवन के सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कुंजी है।

इस दौरान प्रो. राजेश्वर आचार्य, प्रो. बीपी सिंह, शुद्धानंदा ब्रह्मचारी आदि ने विचार व्यक्त किए। स्वागत संस्थान निदेशक प्रो. पीएन झा, संचालन विनीता सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संदीप सिंह ने किया।

sunday pioneer

LUCKNOW, SUNDAY FEBRUARY 24, 2019;

Conference on spirituality held

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Noted film maker, director and producer Mahesh Bhatt on Saturday said that those who dare to step out on the streets of conformity have written the chapter of success of brilliance and one has to confront the darkness and then will possibly arrive at threshold of light.

Inaugurating a two day international conference on 'Spirituality Beyond Repertoire : A Leadership Key to Societal Happiness and Sustained Harmony' at the Khushipur campus of School of Management Sciences (SMS) Mahesh Bhatt as chief guest pointed out that institutions polish pebbles and exclude diamonds.

In his presidential address, Justice Girdhar Malviya (Chancellor-Banaras Hindu University, Varanasi) said that spirituality is when we do things which are beneficial for the society and added that we can learn from our religious scriptures as Ramayana and Srimad Bhagwat Gita and should make an effort to follow what has been said there. Spirituality is the only area where we can deny our self interest and do things that benefit the society as a whole, he said further.

दैनिक जागरण

Varanasi, 24 February 2019

'अंधेरों में घुसकर ही गढ़ा जा सकता है सफलता का अध्याय'

स्मृति चिह्न देकर महेश भट्ट का हुआ सम्मान.

VARANASI (23 Feb): सफलता की रोशनी का अध्याय, वह गढ़ते हैं, जो अंधेरे की गलियों में घुसने का माद्दा रखते हैं. यह बात प्रख्यात फिल्म निर्माता एवं निर्देशक महेश भट्ट ने कही. वह शनिवार को वाराणसी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, साइंसेस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे. बीएचयू चांसलर गिरधर मालवीय ने कहा कि भगवान राम ने अपने हित को दरकिनार कर समाज हित में काम किया. पद्मश्री डॉ. राजेश्वर आचार्य ने कहा कि कैसा अब यह इंसान हो रहा है, घर तो मिलते नहीं सब मकान मिल रहे हैं. इस मौके पर अतिथियों ने पुरुषार्थ का लोकार्पण किया.

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। रविवार • 24 फरवरी • 2019

inext

एसएमएस में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

वाराणसी (एसएनबी)। स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) द्वारा आयोजित 'स्पिरियुऐलिटी बियांड रेपुटॉयर : ए लीडरशिप की टू सोसाइटल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी' विषय पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रख्यात फिल्म निर्माण व निदेशक महेश भट्ट ने किया। उन्होंने कहा कि रोशनी का अध्याय वे गढ़ते हैं जो अंधेरी गलियों में घुसने की हिम्मत रखते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षिक संस्थान पत्थरों में से हीरे तराशते हैं। अध्यक्षीय संबोधन में न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि आध्यात्मिकता ही मानव जीवन के सुख समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कुंजी है। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री प्रो.राजेश्वर आचार्य, प्रो. बीपी सिंह व शुद्धानंद ब्रह्मचारी ने भी विचार रखे। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। विषय वस्तु पल्लवी पाठक, धन्यवाद प्रो. संदीप सिंह ने किया। संस्थान की स्मारिका 'पुरुषार्थ' का भी लोकार्पण हुआ। संचालन विनीता सिंह ने किया। इस दौरान 200 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत हुए। कार्यक्रम में डॉ. अरी कामायंती इंडोनेशिया, डेनमार्क, अमेरिका सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान कुलसचिव संजयगुप्ता, अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह के साथ प्राध्यापक भी रहे।

अमर उजाला

रविवार, 24 फरवरी 2019

विकास चाहिए तो अंधेरे से आंख मिलानी पड़ेगी: भट्ट

खुशीपुर स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य।

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। प्रख्यात फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट ने कहा कि अगर विकास चाहिए तो युवाओं को अंधेर से आंख मिलानी पड़ेगी, यह आत्मविश्वास शैक्षणिक संस्थानों को ही युवाओं में विकसित करना होगा।

खुशीपुर स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस में शनिवार को आयोजित 'स्पिरिच्युएलिटी इनियांड रेपुटायर ए लीडरशिप की टू सोसाइटियल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी' विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि पहले गुरु शिष्य परंपरा थी जो समाप्त हो गई। इसका असर अब दिखाई दे रहा है। जब शिक्षक राजा का गुलाम बन जाता है तो विकास प्रभावित होने लगता है। इसलिए संस्थानों को शिक्षा में बदलाव कर युवाओं का सर्वांगीण विकास करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीएचयू के कुलाधिपति न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि केवल पूजा पाठ अनुष्ठान ही आध्यात्मिकता नहीं है। आध्यात्मिकता तो किसी को बिना ठेस पहुंचाए सकारात्मक दिशा में किया गया कार्य भी है। पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य ने कहा कि व्यवस्था के बिना आस्था संभव नहीं है। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों को सम्मानित किया। विशिष्ठ अतिथि शुद्धानंद ब्रह्मचारी संस्थान के कुल सचिव संजय गुप्ता, अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

एसएमएस में दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

अमर उजाला

SELECT

वाराणसी | रविवार | 24 फरवरी 2019

अंधेरे से आंख मिलानी पड़ेगी : महेश भट्ट

बीएचयू के कुलाधिपति गिरधर मालवीय ने कहा, सकारात्मक दिशा में किया गया कार्य भी आध्यात्मिकता

खुशीपुर स्थित एसएमएस स्कूल में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मंच पर बैठे फिल्म निर्माता महेश भट्ट व न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय व पदमश्री राजेश्वर आचार्य।

वाराणसी। प्रख्यात फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट ने कहा कि अगर विकास चाहिए तो युवाओं को अंधेरे से आंख मिलानी पड़ेगी, यह आत्मविश्वास शैक्षणिक संस्थानों को ही युवाओं में विकसित करना होगा।

खुशीपुर स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस में शनिवार को आयोजित 'स्पिरिच्युएलिटी बियांड रेपुटायर ए लीडरशिप की टू सोसाइटियल हैप्पीनेस एंड सस्टेंड हॉरमनी' विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि पहले गुरु शिष्य परंपरा थी जो समाप्त हो गई। इसका असर अब दिखाई दे रहा है। जब शिक्षक राजा का गुलाम बन जाता है तो विकास प्रभावितहोने लगता है। इसलिए संस्थानों को शिक्षा में बदलाव कर युवाओं का सर्वांगीण विकास करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीएचयू के कुलाधिपति न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि केवल पूजा पाठ अनुष्ठान ही आध्यात्मिकता नहीं है। आध्यात्मिकता तो किसी को बिना ठेस पहुंचाए सकारात्मक दिशा में किया गया कार्य भी है। युवाओं को ग्रंथों से भगवान राम के जीवन का अनुसरण करना चाहिए। भगवान राम ने बड़ों के लिए आदर, भाई के प्रति श्रद्धा के बारे में विस्तार से बताया है।

पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य ने कहा कि व्यवस्था के बिना आस्था संभव नहीं है। संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष झा ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि शुद्धानंद ब्रह्मचारी संस्थान के कुल सचिव संजय गुप्ता, अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

काशीवार्ता

वाराणसी, 24 फरवरी 2019

शैक्षिक संस्थान पत्थरों से हीरे तलाशते हैं

एसएमएस में 2 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

वाराणसी (काशीवार्ता)। स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) द्वारा आयोजित स्पिरियुऐलिटी बियांड रेपुटॉयर :ए लीडरशिप की टू सोसाइटल हैप्पीनेस एंडसस्टेंड हॉरमनी विषय पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रख्यात फिल्म निर्माण व निदेशक महेश भट्ट ने किया। उन्होने कहा कि रोशनी का अध्याय वे गढ़ते हैं जो अंधेरी गलियों में घुसने की हिम्मत रखते हैं। उन्होने कहा कि शैक्षिक संस्थान पत्थरों में से हीरे तराशते हैं। अध्यक्षीय संबोधन में न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि आध्यात्मिकता ही मानव जीवन के सुख समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कुंजी है। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री प्रो.राजेश्वर आचार्य, प्रो. बीपी सिंह व शुद्धानंद ब्रह्मचारी ने भी विचार रखे। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। विषय वस्तु पल्लवी पाठक, धन्यवाद प्रो. संदीप सिंह ने किया। संस्थान की स्मारिका पुरु षार्थ का भी लोकार्पण हुआ। संचालन विनीता सिंह ने किया। इस दौरान 200 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत हुए। कार्यक्रम में डॉ. अरी कामायंती इंडोनेशिया, डेनमार्क, अमेरिका सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान कुलसचिव संजयगुप्ता, अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह के साथ प्राध्यापक भी रहे।